

लाल किताब

बिमारी का बगैर दवाई भी इलाज है, मगर मौत का कोई इलाज नहीं।
ज्योतिष दुनियाबी हिसाब-किताब है, कोई दावाए खुदाई नहीं।

क्रम : 1108 / Customers . 1 . 49

मॉडल : L2

दिनांक : 01/02/2009

लिंग: पुल्लिंग
जन्म तिथि: 03/11/1985
दिन: रविवार
जन्म समय: 16:10:00 घंटे
इष्ट: 23:49:29 घटी
देश: India
स्थान: Nandurbar

दादा का नाम:
पिता का नाम:
माता का नाम:
जाति:
गोत्र:
पता:

अक्षांश: 21:22:00 उत्तर
रेखांश: 74:18:00 पूर्व
मध्य रेखांश: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक समय संस्कार.....: - 0:32:48 घंटे
युद्ध/ग्रीष्म समय संस्कार.....: 0:00:00 घंटे
स्थानिक समय: 15:37:12 घंटे
वेलान्तर: 0:16:27 घंटे
साम्पातिक काल: 18:27:45 घंटे
सूर्योदय: 6:38:12 घंटे
सूर्यास्त: 17:54:29 घंटे
दिनमान: 11:16:17 घंटे
.....: 28:10:42 घटी
सूर्य की स्थिति (अयन).....: दक्षिणायन
सूर्य की स्थिति (गोल).....: दक्षिण
ऋतु: हेमन्त
सूर्य के अंश: 17:17:52 तुला
लग्न के अंश: 15:25:56 मीन
भयात: 63:42:06
भभोग: 65:51:59
भोग्य दशा काल: राहु 0 व 7 मा 3 दि

विक्रमी संवत: 2042
शक संवत: 1907
मास: कार्तिक
पक्ष: कृष्ण
सूर्योदय कालीन तिथि.....: 5
तिथि समाप्ति काल.....: 11:20:07 घंटे
.....: 11:44:47 घटी
जन्म तिथि: 6
सूर्योदय कालीन नक्षत्र.....: आर्द्रा
नक्षत्र समाप्ति काल: 17:01:56 घंटे
.....: 25:59:21 घटी
जन्म नक्षत्र: आर्द्रा
सूर्योदय कालीन योग.....: सिद्ध
योग समाप्ति काल: 21:50:56 घंटे
.....: 38:01:50 घटी
जन्म योग: सिद्ध
सूर्योदय कालीन करण.....: तैतिल
करण समाप्ति काल: 11:20:07 घंटे
.....: 11:44:47 घटी
जन्म करण: गर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	राशि	अंश	स्थिति	अंधा ग्रह	सोया	ग्रह धर्मी	ग्रह नेक/मन्दा	ग्रह
लग्न	मीन	15:25:56	-----	---	---	---	---	---
सूर्य	तुला	17:17:52	मित्र राशि	---	---	---	---	मन्दा
चन्द्र	मिथुन	19:33:28	स्वराशि	---	हां	---	---	नेक
मंगल	कन्या	10:36:37	सम राशि	---	---	---	---	नेक
बुध	वृश्चिक	9:44:49	सम राशि	---	---	---	---	मन्दा
गुरु	मकर	15:01:14	सम राशि	---	---	---	---	मन्दा
शुक्र	कन्या	28:36:33	स्वराशि	---	---	---	---	नेक
शनि	वृश्चिक	4:44:33	सम राशि	---	---	---	---	नेक
राहु-व	मेष	15:36:00	मित्र राशि	---	हां	---	---	नेक
केतु-व	तुला	15:36:00	मित्र राशि	---	---	---	---	मन्दा

खाना स्थिति

खाना न०	मालिक	पक्का घर	किस्मत को जगानेवाला	सोया	उच्च	नीच
1	मंगल	सूर्य	मंगल	हां	सूर्य	शनि
2	शुक्र	गुरु	चन्द्र	---	चन्द्र	---
3	बुध	मंगल	बुध	हां	राहु	केतु
4	चन्द्र	चन्द्र	चन्द्र	---	गुरु	मंगल
5	सूर्य	गुरु	सूर्य	हां	---	---
6	बुध	बुध, केतु	केतु	---	बुध, राहु	शुक्र, केतु
7	शुक्र	शुक्र, बुध	शुक्र	---	शनि	सूर्य
8	मंगल	मंगल, शनि	चन्द्र	---	---	चन्द्र
9	गुरु	गुरु	शनि	---	केतु	राहु
10	शनि	शनि	शनि	---	मंगल	गुरु
11	शनि	शनि	गुरु	---	---	---
12	गुरु	गुरु, राहु	राहु	---	शुक्र, केतु	बुध, राहु

जन्म-कुण्डली

राहु	1	11	गुरु
2	12	10	गुरु
चन्द्र	3	9	बुध
4	मंगल	6	शुक्र
5	7	8	शनि
केतु	सूर्य		

जन्म-कुण्डली लाल किताब

राहु	2	12	गुरु
3	1	11	गुरु
चन्द्र	4	10	बुध
5	मंगल	7	शुक्र
6	8	9	शनि
केतु	सूर्य		

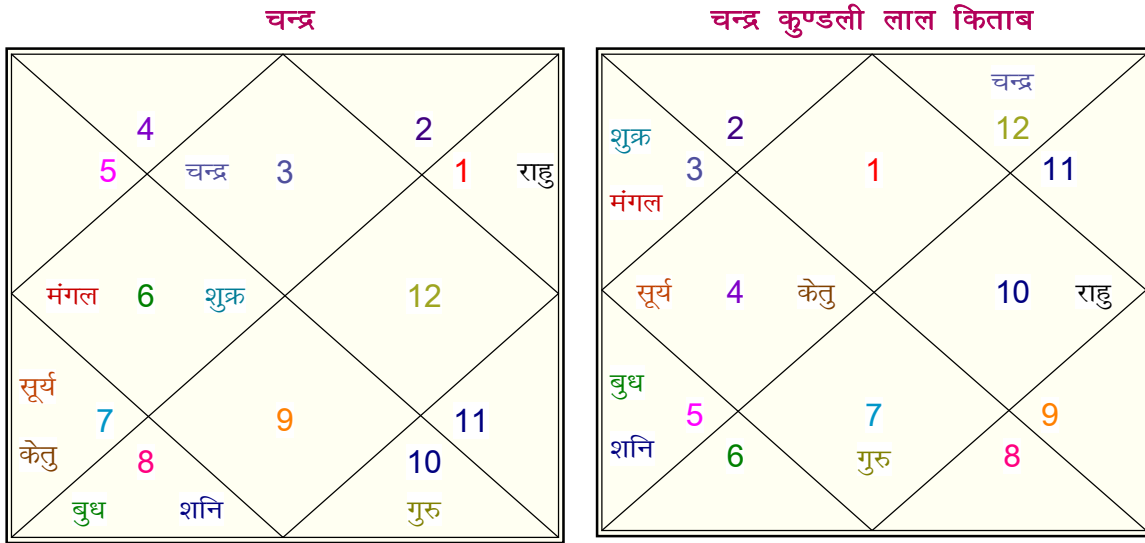
शत्रु-मित्र सारिणी

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	---	मित्र	मित्र	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम
चन्द्र	मित्र	---	सम	मित्र	सम	सम	सम	सम	शत्रु
मंगल	मित्र	मित्र	---	शत्रु	मित्र	सम	सम	सम	शत्रु
बुध	मित्र	शत्रु	सम	---	सम	मित्र	सम	मित्र	सम
गुरु	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	---	शत्रु	सम	सम	सम
शुक्र	शत्रु	शत्रु	सम	मित्र	सम	---	मित्र	शत्रु	मित्र
शनि	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	मित्र	---	मित्र	सम
राहु	शत्रु	सम	शत्रु	मित्र	सम	शत्रु	मित्र	---	मित्र
केतु	सम	शत्रु	शत्रु	सम	सम	मित्र	सम	मित्र	---

ग्रह फल/राशि फल

ग्रह	वर्णन	ग्रह फल/राशि फल
सूर्य	तपस्वी राजा।	----
चन्द्र	खर्च पर और बढ़ने वाली आय का दरिया।	ग्रह
मंगल	मीठा हलवा/ विष्णु पालना।	----
बुध	कोढ़ी तथा राजा।	----
गुरु	खजूर के पेड़ की भांति अकेला।	ग्रह
शुक्र	जैसा यह वैसी वह पावे साथी का प्रभाव, अकेला नेक।	ग्रह
शनि	कलम विधाता मकाना मर्दा।	राशि
राहु	राजा गुरु के मातहत।	ग्रह
केतु	बच्चों की मुहब्बत के गम में छत पर रोने वाला कुत्ता।	----

नोट : राशिफल का ग्रह उपाय करने पर शुभ फल प्रदान करता है ।



लाल किताब दशा

शनि 6 वर्ष	राहु 6 वर्ष	केतु 3 वर्ष	गुरु 6 वर्ष	सूर्य 2 वर्ष
03/11/1985 04/11/1991	04/11/1991 03/11/1997	03/11/1997 03/11/2000	03/11/2000 03/11/2006	03/11/2006 03/11/2008
राहु 04/11/1987 बुध 03/11/1989 शनि 04/11/1991	मंगल 03/11/1993 केतु 04/11/1995 राहु 03/11/1997	शनि 03/11/1998 राहु 04/11/1999 केतु 03/11/2000	केतु 03/11/2002 गुरु 03/11/2004 सूर्य 03/11/2006	सूर्य 05/07/2007 चन्द्र 04/03/2008 मंगल 03/11/2008
चन्द्र 1 वर्ष	शुक्र 3 वर्ष	मंगल 6 वर्ष	बुध 2 वर्ष	शनि 6 वर्ष
03/11/2008 03/11/2009	03/11/2009 03/11/2012	03/11/2012 03/11/2018	03/11/2018 03/11/2020	03/11/2020 03/11/2026
गुरु 05/03/2009 सूर्य 04/07/2009 चन्द्र 03/11/2009	मंगल 03/11/2010 शुक्र 04/11/2011 बुध 03/11/2012	मंगल 03/11/2014 शनि 03/11/2016 शुक्र 03/11/2018	चन्द्र 05/07/2019 मंगल 04/03/2020 गुरु 03/11/2020	राहु 03/11/2022 बुध 03/11/2024 शनि 03/11/2026
राहु 6 वर्ष	केतु 3 वर्ष	गुरु 6 वर्ष	सूर्य 2 वर्ष	चन्द्र 1 वर्ष
03/11/2026 03/11/2032	03/11/2032 04/11/2035	04/11/2035 03/11/2041	03/11/2041 04/11/2043	04/11/2043 03/11/2044
मंगल 03/11/2028 केतु 03/11/2030 राहु 03/11/2032	शनि 03/11/2033 राहु 03/11/2034 केतु 04/11/2035	केतु 03/11/2037 गुरु 04/11/2039 सूर्य 03/11/2041	सूर्य 05/07/2042 चन्द्र 05/03/2043 मंगल 04/11/2043	गुरु 04/03/2044 सूर्य 04/07/2044 चन्द्र 03/11/2044
शुक्र 3 वर्ष	मंगल 6 वर्ष	बुध 2 वर्ष	शनि 6 वर्ष	राहु 6 वर्ष
03/11/2044 04/11/2047	04/11/2047 03/11/2053	03/11/2053 04/11/2055	04/11/2055 03/11/2061	03/11/2061 04/11/2067
मंगल 03/11/2045 शुक्र 03/11/2046 बुध 04/11/2047	मंगल 03/11/2049 शनि 04/11/2051 शुक्र 03/11/2053	चन्द्र 05/07/2054 मंगल 05/03/2055 गुरु 04/11/2055	राहु 03/11/2057 बुध 04/11/2059 शनि 03/11/2061	मंगल 04/11/2063 केतु 03/11/2065 राहु 04/11/2067
केतु 3 वर्ष	गुरु 6 वर्ष	सूर्य 2 वर्ष	चन्द्र 1 वर्ष	शुक्र 3 वर्ष
04/11/2067 03/11/2070	03/11/2070 03/11/2076	03/11/2076 03/11/2078	03/11/2078 04/11/2079	04/11/2079 03/11/2082
शनि 03/11/2068 राहु 03/11/2069 केतु 03/11/2070	केतु 03/11/2072 गुरु 03/11/2074 सूर्य 03/11/2076	सूर्य 04/07/2077 चन्द्र 05/03/2078 मंगल 03/11/2078	गुरु 05/03/2079 सूर्य 05/07/2079 चन्द्र 04/11/2079	मंगल 03/11/2080 शुक्र 03/11/2081 बुध 03/11/2082

नोट : 35 साला लाल किताब दशा लगभग तीन चक्र के लिए दी गई है ।
उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं ।

रतांध ग्रह / अंधा टेवा

लाल किताब के अनुसार रतांध ग्रह को नहोराता के ग्रह भी कहते हैं। ये ग्रह दिन में देखते हैं, परंतु यही ग्रह रात्रि में अंधे हो जाते हैं। ये ग्रह अर्द्ध-अंधे कहे जाते हैं अर्थात् चौथे खाने में सूर्य और सातवें खाने में शनि हो तो वह टेवा आधा अंधा टेवा कहलाएगा।

इस प्रकार का टेवा जातक के व्यावसायिक जीवन में, मन की शांति के लिए और गृहस्थ सुख के लिए काफी हद तक अशुभ असर पड़ता है। सातवें खाने में बैठा शनि बहुत शक्तिशाली हो जाता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार सप्तम खाने के शनि को दिग्बल प्राप्त होता है। इस भाव का शनि अपनी दसवीं संपूर्ण दृष्टि से सुख स्थान में स्थित सभी को शनि प्रभावित करता है। शत्रु दृष्टि से सूर्य के शुभ फल अशुभता में परिणत हो जाएगा। चतुर्थ स्थान से सूर्य की सप्तम दृष्टि कर्म भाव पर पड़ कर कर्म फल को अशुभ कर देगा। सभी प्रकार की मन की शांति को पूर्ण रूपेण कम कर सभी प्रकार के सुखों को नष्ट कर देगा। कुंडली पर अशुभ प्रभाव देने वाला शनि और उसकी दृष्टि है। अतः सूर्य के उपाय की उपयोगिता नहीं। मात्र शनि की अशुभता नष्ट करने के लिए शनि का उपाय करना चाहिए।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी रतांध ग्रह से प्रभावित नहीं है।

धर्मी टेवा

लाल किताब के अनुसार कुछ धर्मी टेवा होते हैं। धर्मी टेवा में अशुभ ग्रहों का प्रभाव बहुत हद तक कम हो जाता है। जिस टेवा में बृहस्पति के साथ शनि किसी भी घर में अर्थात् शुभ घर में स्थित हो तो ऐसा टेवा धर्मी टेवा हो जाता है। धर्मी टेवा वाले जातक मुश्किल या कष्ट के समय, जब उसकी सभी राहें अवरुद्ध हो जाती हैं उस समय ईश्वर अपने हाथों से उसकी सहायता करते हैं। शनि ग्रह मुश्किलों का एवं हमारे भाग्य का कारक भी लाल किताब के अनुसार होता है। टेवा में बृहस्पति के साथ अथवा बृहस्पति की राशि में शनि बैठ जाए तो शनि के स्वभाव में शुभता आ जाती है। बृहस्पति और शनि का संबंध बहुत से दोषों को दूर कर देता है। 6ठे, 9वें, 11वें एवं 12वें घरों में शनि बृहस्पति का संयोग होना बड़ी समस्याओं का शमन, एवं जीवन के उतार-चढ़ाव को नियंत्रित कर देता है। इसके प्रभाव से (कुंडली) टेवा की अशुभता समाप्त और सारी विपदाओं का अंत हो जाता है।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी धर्मी टेवा नहीं है।

नाबालिग टेवा

लाल किताब के असूलों के अनुसार कुछ हालतों में बारह साल की आयु तक कुछ नाबालिक टेवे होते हैं। उस दशा में बारह साल तक के बालक की कुंडली का प्रभाव नहीं उसके पिछले जन्म के भाग्य का असर ही प्रभावी रहता है। नाबालिक टेवा उसको कहते हैं जबकि टेवा के 1,4,7 और 10 खाने अर्थात् केंद्र स्थान खाली हो अथवा सिर्फ पापी ग्रह शनि, राहु और केतु ही हो या अकेला बुध ही हो तो वह नाबालिग ग्रहों का टेवा होगा।

उसकी किस्मत का हाल 12 साल तक शक्की होगा।

Provided By:

www.horoscopetimes.com

info@horoscopetimes.com

Page: 6

लाल किताब के अनुसार नाबालिक टेवा वाले जातक पर बारह वर्षों तक प्रत्येक वर्ष एक-एक ग्रह का प्रभाव निम्नरूपेण पड़ा करता है। जीवन पर पड़ने वाले दुषित प्रभाव की अनुकूलता हेतु निम्नांकित भाव स्थित ग्रह का उपाय करना चाहिए।

1. उम्र के पहले साल में सातवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
2. उम्र के दूसरे साल में चौथे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
3. उम्र के तीसरे साल में नौवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
4. उम्र के चौथे साल में दसवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
5. उम्र के पांचवें साल में ग्यारहवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
6. उम्र के छठे साल में तीसरे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
7. उम्र के सातवें साल में दूसरे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
8. उम्र के आठवें साल में पांचवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
9. उम्र के नवमें साल में छठे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
10. उम्र के दसवें साल में बारहवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
11. उम्र के ग्यारहवें साल में पहले घर के ग्रह का असर पड़ता है।
12. उम्र के बारहवें साल में आठवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी नाबालिग ग्रहों का टेवा नहीं है।

लाल किताब के अनुसार ऋण भार

कुंडली में दुषित ग्रहों के कारण जातक कई प्रकार से ऋणी होता है अर्थात कई प्रकार के ऋण भार जातक के उपर रहते हैं, जिसके कारण जातक के जीवन का विकास अवरुद्ध हो जाता है। क्योंकि दुषित ग्रहों के दोषयुक्त प्रभाव से शुभ ग्रह भी अनुकूल फल देना बंद कर देते हैं। अस्तु ऋण भार से जातक को मुक्त होना चाहिए ताकि शेष जीवन पर शुभ या अच्छे ग्रहों के अच्छे प्रभाव पड़कर, कुंडली के अनुसार शुभता प्राप्त हो सके। नीचे ऋण के प्रकार किस परिस्थिति में जातक पर अदृश्य ऋण पर पड़ता है तथा उसके निराकरण उधृत किए जाते हैं।

‘स्वऋण’

ग्रहचाल : जब जन्मकुंडली में खाना नंबर 5 में शुक्र या शनि या राहु या तीनों में दो या तीनों स्थित हो तो स्वऋण होता है।

निशानिया : आपको राजभय, निर्दोष होने पर भी मुकद्दमें में दंड या जुर्माना भुगतना पड़ता है। हृदय रोग, बाजुओं में दर्द, शारीरिक कमजोरी, आंखों में कष्ट, जिगर की खराबी होती है।

घटनाएं : जातक नास्तिक हो जाता है, धर्म की उपेक्षा करता है स्वास्थ्य अनुकूल नहीं रहता, पूर्वजों के रीति-रिवाज के अनुसार नहीं चलता।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी स्वऋण से मुक्त है।

‘मातृऋण’

ग्रहचाल : जातक की जन्मकुंडली के चौथे खाने में केतु पड़ा हो तो मातृ ऋण का बोझ होता है।

निशानियां : जातक का कोई सहायक नहीं होता, उसके सभी प्रयास निष्फल होते हैं। सरकारी दंड या जुर्माना भुगतना पड़ता है। जीवन अशांत व्यतीत होता है, दूसरों की इज्जत को उछालनया खेलवार करना या जूता चुराना, विद्या का लाभ न मिलना। रिश्तेदारों की बिमारियों पर धन का अपव्यय आदि अशुभ फल होते हैं।

घटनाएं : मातृ ऋण से प्रभावित जातक माता से दुर्व्यवहार करता है। माता के सुख-दुःख का ख्याल नहीं रखता। माता से दूर रहे या माता को घर से निकाल देता है।

मातृ ऋण वाले जातक के घर के पास या घर में कुआं होगा। घर के पास जलाशय होगा। उस कुएं में गंदगी डाली जाती होगी या जलाशय को गंदा करता होगा। हो सकता है कि जातक के घर के पास नदी-नहर बहती हो। जातक उस में गंदगी डालता होगा।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी मातृऋण से मुक्त है।

‘‘पारिवारिक ऋण’’

ग्रहचाल : जातक की जन्मकुंडली पहले या आठवें खाने में बुध या केतु या दोनों बैठे हो तो रिश्तेदार का ऋण होता है।

निशानियां : किसी की भैंस बच्चा देने को हो तो उसे मार देना या मरवा देना। किसी का मकान बनने या नीव खोदते समय जादू-टोना कर देना या रिश्तेदारों से मिलने-जुलने बालों से नफरत करना या बच्चों के जन्म दिन और परिवार में त्यौहार या खुशी के समय दूर रहना।

घटनाएं : जातक मित्रों से धोखा करता है। किसी के बने-बनाए काम को बिगाड़ देता है या

Provided By:

www.horoscopetimes.com

info@horoscopetimes.com

Page: 8

किसी की पकी हुई खेती को आग लगा देना।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी पारिवारिक ऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध है (जैसे जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटा-बुआ भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) सबसे बराबर-बराबर धन लेकर आपके शहर/गांव के चौक में बैठे कारीगर, हकीम/डाक्टर को उसका काम बढ़ाने के लिये वह धन दान स्वरूप दे दें।

“कन्या/बहन का ऋण”

ग्रहचाल : जातक की कुंडली में तीसरे या छठे खाने में चंद्रमा पड़ा हो तो बहन/लड़की का ऋण होता है।

निशानियां : जवानी में धोखा देना, बहन/बेटी की हत्या या उस पर जुल्म करना। मासुम बच्चों को बेचना या लालच से बदल लेना/देना जिसका भेद दुनिया में कभी न खुले ऐसे रहस्यमय आदि काम करना।

घटनाएं : जातक का किसी के साथ अपनी जुबान से बुरा शब्द बोलना तलवार से अधिक गहरा घाव कर सकता है, बेटा पैदा हुआ पिता को उसके धन-दौलत, आयु पर अशुभ फल होगा या माता को पता था कि वह जान से हाथ धो बैठेगी। खुशी के साथ मातम ससुराल-ननिहाल पर अशुभ फल, वर्ष भर की कमाई का वर्षात में घाटा हो जाना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी कन्या बहन के ऋण से मुक्त है।

“पितृ ऋण”

ग्रहचाल : जातक की जन्मकुंडली में 2 या 5 या 9 या 12 खानों में शुक्र या बुध या राहु या तीनों में दो या तीनों ही बैठे हो तो जातक पर पितृ ऋण होता है।

निशानियां : कुल पुरोहित बदलना या कुल पुरोहित से नाता तोड़ लेना, घर के साथ बने मंदिर को तोड़ देना। पीपल का पेड़ काटना। पीपल का पेड़ होना आदि।

घटनाएं : परिवार में किसी बुजुर्ग के बाल सफेद हो जाए। बाल सफेद होने के बाद बालों में पीलापन होना शुरू हो जाए, काली खांसी की शिकायत, हो अथवा माथे पर दुनिया की गंदी करतुतो का कलंक लगना आदि घटनाएं होती हैं।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी पितृऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटा-बुआ, भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है सबसे बराबर-बराबर धन (एक-एक या पांच-पांच या दस-दस रुपये अधिक से अधिक जितने भी रुपये दे सकें) लेकर उसी दिन मंदिर में दान कर देना आदि।

“स्त्रीऋण”

ग्रहचाल : जातक की जन्मकुंडली में सातवें खाने में सूर्य या चंद्रमा या राहु या तीनों में दो या तीनों ही इकट्ठे बैठे हों तो स्त्री ऋण होता है।

निशानियां : पारिवारिक पेट पर लात मारना, स्त्री को बच्चा पैदा होने या बच्चा जनने की हालत में किसी लालच में आकर मार देना। दाँतो वाले जानवरों की पालने से परिवार में नफरत

Provided By:

www.horoscopetimes.com
info@horoscopetimes.com

Page: 9

का उसूल चलता होगा। मकान का गेट दरवाजा दक्षिण दिशा में होना, जीव हत्या करना, मकान या मशीनरी धोखे से ले लेना, किसी की चीज हड़प लेना उसे मुंहताज कर देना आदि।

घटनाएं : नर संतान का फल मंदा हो जाता है, चमड़ी में कोढ़, फलवहरी, गुप्तांग में रोग हो जाना, किसी का विवाह होना किसी मुर्दे को जलाना। एक स्त्री के साथ वैवाहिक संबंध टूटने लगे दूसरी स्त्री के साथ संबंध जुड़ने लगना अर्थात् दूसरा विवाह होना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी स्त्री ऋण से मुक्त है।

“निर्दयी का ऋण”

ग्रहचाल : जन्मकुंडली में खाना नंबर 10 या 11 में सूर्य या चंद्र या मंगल या तीनों में दो या तीनों ही इकट्ठे बैठे हो तो निर्दयी ऋण होता है।

निशानियां : मशीन या मकान की पेशगी देकर न खरीदना, परीक्षा हाल से अकारण बाहर निकाला जाना, बड़े लोगों से अकारण झगड़े या मुकद्दमें लड़ना आदि।

घटनाएं : संतान और ससुराल की असमय मृत्यु, तेल या नारियल या लकड़ी या बारदाना के गोदाम में आग लग जाना। मकान खरीदा उसमें रहना नसीब नहीं, मकान खरीदे तो उसकी सिद्धियां मुरम्मत करानी पड़े या तोड़ कर दुबारा बनानी पड़े, सांप और जहर पान की घटनाएं, हथियार से मौत होना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी निर्दयी ऋण से मुक्त है।

“आजन्मकृत ऋण”

ग्रहचाल : जातक की जन्मकुंडली में खाना नंबर 12 में सूर्य या शुक्र या दोनों इकट्ठे बैठे हो तो आजन्मकृत ऋण होता है।

निशानियां : बिजली की तार लीक कर जाना, घर जल जाए, लाखों-करोड़ों पति कुछ ही समय में किसी भी तरह से तबाह हो जाये, सोना गुम या चोरी-ठगी-गबन की घटनाएं, सिर पर जख्म या सिर की बीमारियां, बचपन से बुढ़ापे तक नालायक साबित होना, सोच समझ कर काम करने के बावजूद गरीबी और बेसहारा, दमा-मिरगी, काली खांसी, सांस की तकलीफ, अचानक मौत, मकान की दहलीज के नीचे से गंदा पानी बहना अथवा आवासीय मकान के आगे पीछे कूड़े का ढेर या गन्दगी हो।

घटनाएं : मुकद्दमें में फ़ैसले पर नहक जुर्माना/कैद, ससुराल या दुनिया वालों की ठगी करना, या ऐसी ठगी करना जिससे दूसरे का परिवार या नौकरी-व्यापार नष्ट हो जाना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी आजन्मकृत ऋण से मुक्त है।

ईश्वरीय ऋण

ग्रहचाल : जातक की जन्मकुंडली में छठे खाने में चंद्रमा या मंगल हो तो ईश्वरीय ऋण होता है।

निशानियां : कुत्ते का काटना, छत से बच्चों का गिरना या बच्चा को गाड़ी के नीचे आ जाना, कानों से बहरापन, रीढ़ की हड्डी में कष्ट, संतान पैदा न होना या होकर मर जाना, संतान सुख में बाधा, पेशाब की बीमारियां अधरंग, ननिहाल नष्ट हो जाना, यात्रा में हानि अथवा दुर्घटना हो जाना आदि।

Provided By:

www.horoscopetimes.com
info@horoscopetimes.com

KDP

घटनाएं : किसी पर इतबार किया उसने धोखा दिया, कुत्तों को मारना या मरवाना, गरीब या फकीर की बददुआ लेना, बदचलनी, किसी के लड़कों को गुमराह करके बरबाद करना या करवाना, बुरी नीयत, लालच में आकर किसी का नुकसान करना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी ईश्वरीय ऋण से मुक्त है।



लाल किताब ग्रह फल

सूर्य

आपकी जन्मकुंडली में सूर्य आठवें खाने में है। इसकी वजह से आप बहुत गुस्सा करेंगे। आप अधीर, स्त्रियों के लिए लालायित, सच्चाई से आगे बढ़ने वाले, तपस्वी होंगे। मरने के वक्त आपको भयानक रोग या कष्ट नहीं होगा। आपकी आयु की रक्षा होगी। बहन की ससुराल में रह कर चोरी न करें तो अच्छा फल मिलेगा। यदि आप चोरी न करें तो भाग्यशाली होंगे। आपके सामने किसी की मौत नहीं होगी। आप बीमार व्यक्ति के पास बैठें तो रोगी स्वस्थ हो जाएगा। आमतौर पर आपका जीवन सुखी रहेगा। आप सच्चे और नर्म स्वभाव के होंगे। कभी तिरस्कृत भी होना पड़ सकता है। आप हर काम करने के लिए प्रयत्नशील रहेंगे। आपके धन का दूसरे लोग भी उपयोग करेंगे। आपका साधु स्वभाव होगा तो अपने लिये किये कार्यों को संसार को समर्पित करने की आप में भावना भी रहेगी।

यदि आपने स्त्रियों से झगड़ा किया, ससुराल वालों को धन के लिए तंग किया, चोरी ठगी की नियत रखी, दक्षिण दिशा के मुख्य दरवाजे वाले मकान में रिहाईश की तो आपका सूर्य मंदा हो सकता है या किसी कारण वश सूर्य मंदा हो गया हो तो सूर्य के मंदे असर से गुप्त रोग से दुःखी, अस्वस्थ रहेंगे। सरकारी विभाग से परेशानी, आर्थिक स्थिति खराब और आंखों की रोशनी कम हो सकती है। गंदी सोहबत में पड़ कर आप तबाह हो जाएंगे। आप पत्नी के अलावा दूसरी औरत से संबंध रखेंगे तो आपके भाग्य में धोखा लिखा है। जहरीले जीव-जंतुओं से सावधान रहें ये आपके मौत के कारण हो सकते हैं। आपको पीठ में दर्द, रक्तचाप की बीमारी हो सकती है। आपको आर्थिक नुकसान की आशंका है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. रसोई को अपवित्र न बनायें।
2. परस्त्री से अनैतिक संबंध न रखें।

उपाय :

1. बड़े भाई या गाय की सेवा करें।
2. पानी में चीनी डाल कर सूर्य को जल दें।

चन्द्र

आपकी जन्मकुंडली में चंद्रमा चौथे घर में है। आपका भाग्य जागेगा। आपको जमीन, जायदाद, भवन और वाहन का उम्दा सुख मिलेगा। पैतृक कारोबार से लाभ होगा। आपको कपड़े के व्यवसाय से लाभ होगा। आपको माता-पिता का पूर्ण सुख मिलेगा। बुढ़ापा सुखपूर्वक गुजरेगा। पैतृक संपत्ति अवश्य प्राप्त होगी। सरकारी खर्च से विदेश की यात्रा करेंगे। आपके पास धन का दरिया होगा जितना खर्च करोगे उतना ही धन बढ़ेगा। माता और लोगों की सेवा करने से माया का दरिया समुद्र बन जाएगा। आपकी उम्र लंबी होगी आपके पास कोई व्यक्ति अमानत रखे तो लेने के लिए वापस नहीं आएगा। पुत्र पैदा होने के बाद आपकी हालत अच्छी हो जाएगी। आप सरकारी नौकरी या सरकारी ठेकेदारी करेंगे तो दौलत अच्छी मिलेगी। समुद्री सफरों में भी लाभ प्राप्त होगा। माता व पत्नी दोनों से सहयोग प्राप्त होगा। आप राजसी ठाठ भोगेंगे। आपको बुजुर्गों का व्यापार बदलना हानिकारक होगा। आप न्यायमूर्ति या जज भी हो सकते हैं। अच्छे सलाहकार साबित होंगे और आप अपना कोई भी कार्य करने से पहले किसी की सलाह जरूर लें। यह आपके परिवार के लिए हानिकारक है।

Provided By:

www.horoscopetimes.com
info@horoscopetimes.com

Page: 12

यदि आपने दूध-पानी बेचने का काम किया, माता या बूढ़ी स्त्री से झगड़ा किया, दादा-पिता के समय का कारोबार बदला, घर आये मेहमान की सेवा न की तो आपका चंद्रमा मंदा हो सकता है या किसी कारण वश चंद्रमा मंदा हो गया हो तो चंद्रमा के मंदे असर से यदि आप माता को कष्ट देंगे और उनका विरोध करेंगे तो धन की खराबी और मन की शान्ति भंग होगी। बुजुर्गों की संपत्ति नष्ट होगी। आप किसी का एहसान नहीं मानोगे, माता को कष्ट देना या उसका विरोध करने से, वाहन दुर्घटना का भय रहेगा। यदि आप बुजुर्गों का व्यापार बदलेंगे तो हानि होगी, दूध का बेचना या डेयरी फार्म के काम में हानि होगी और संतान सुख न होगा। मेहमानों की सेवा करने की बजाए उनसे कुछ धन व समान की आशा रखेंगे।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :
1. माता का विरोध न करें।
2. दूध-पानी मोल न बेचें।

उपाय :
1. शुभ कार्य शुरू करते या जाते समय पानी या दूध का कुंभ रखें।
2. घर में आये मेहमानों को दूध या मीठा पानी जरूर पिलायें।

मंगल

आपकी जन्मकुंडली में मंगल सातवें पड़ा है। इसकी वजह से आप शाही जीवन बिताएंगे, आपको भाई से लाभ मिलेगा। आपकी संतान की वृद्धि होगी। हर प्रकार का सुख प्राप्त होगा। परिजनों से सहायता मिलेगी। पत्नी का पूर्ण सुख प्राप्त होगा। आप धर्मात्मा, नेकनामी और वक्त मुसीबत में रोते को सहारा देने वाले होंगे। रोते हुए को हंसाना आप में एक विशेष गुण होगा। आप इन्साफ पसंद आदमी होंगे। ज्योतिष विद्या में रुचि रहेगी। आपकी सरकारी विभाग में नौकरी हुई तो आपका रुतबा बढ़ेगा। आप विदेश की यात्रा करेंगे। पार्टनरशिप का धंधा भी ठीक रहेगा। आप जो भी चाहेंगे, एक बार अवश्य ही मिलेगा। मगर बार-बार मिलने की उम्मीद नहीं है। आप विष्णु भागवान की तरह खानदान की परवरिश करते रहेंगे। आपको जज या सरपंच या ऐसा अधिकार प्राप्त होगा जिसमें सच्चाई ढूँढना और इन्साफ करना होता है।

यदि आपने लोगों से झगड़ा-फसाद किया, परस्त्री से अनैतिक संबंध रखे, बेटी पैदा होने के बाद आपका मंगल मंदा हो सकता है या किसी कारण वश मंगल मंदा हो गया हो तो मंगल के मंदे असर से आप अपने साथ विधवा बहन-बुआ या साली को पास नहीं रखें जीवन का फल अशुभ होगा। एक से अधिक या कई औरतों से आपका संबंध रहेगा। परस्त्री के संबंध से आपकी आयु अल्प हो सकती है। आपको रक्त संबंधी दोष हो सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :
1. चाल-चलन ठीक रखें।
2. घर में बेलदार पौधे न लगावें।

उपाय :
1. बहन-बेटी को मीठा या मिठाई दें।
2. भतीजा-भतीजी की सेवा करें।

बुध

आपकी कुंडली में नौवें घर में बुध पड़ा है। इसकी वजह से संगीत या ज्योतिष में रुचि रह सकती

है। आप परिवार का भरण-पोषण करते रहेंगे। आपको अपना भाग्य बनाने में अधिक समय लगेगा। धन-दौलत में बरकत होने में समय लगेगा फिर भी आप खुश रहेंगे। आपके काम-धन्धे पर तथा राजदरबार में आपका अच्छा असर रहेगा। जन्मस्थान से दूर विदेश तक की यात्रा करनी पड़ सकती है परंतु विदेश प्रवास का फल भी अच्छा या अनुकूल रहेगा।

यदि आपके घर में गाने-बजाने का सामान और रेडियो-घड़ियां आदि खराब पड़े होंगे, जुबान में तोतलापन, हरे रंग की चीजें अधिक होंगी या साधू-महात्मा आदि ताबीज लेकर रखा तो आपका बुध मंदा हो सकता है या किसी कारण वश बुध मंदा हो गया हो तो बुध के मंदे असर से आपके काम से आपके पिता की बदनामी हो सकती है। धोखेबाजी से कदम-कदम पर मुसीबतें खड़ी हो सकती हैं। गृहस्थ जीवन और औलाद से संबंध में खराबियां पैदा होंगी। मुसीबतों का सामना करना पड़ सकता है। अधर्म के कार्य करेंगे तो भाग्य में भी रुकावटें आती रहेंगी। जीवन में उत्थान-पतन से तंग आ जाएंगे। जीवन के हालात से तंग आकर साधू-फकीर बनने की इच्छा होगी परंतु साधू-फकीर बनना अच्छा नहीं होगा। आप पिता के लिए मनहूस रहेंगे। पिता के सुख का अभाव हो सकता है। आप अपने पिता की आयु पर भारी हैं। पिता के नौकरी-व्यापार में बाधा हो सकती है। जलील और खराब काम करना पड़ सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. जल-भभुतिया, धागे-ताबीज न रखें।
2. मकान की सीढ़ियां गिरा कर दुबारा न बनायें बल्कि उसकी मरम्मत करें।

उपाय :

1. गरु ग्रास दें।
2. लोहे की गोली पर लाल रंग करके पास रखें।

गुरु

आपकी जन्मकुंडली में वृहस्पति ग्यारहवें खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आपको पिता का सहयोग प्राप्त होगा। भाई आपके मददगार हो सकते हैं और उनसे लाभ भी होगा। कारोबार में भाई का साथ भाग्य जगाता है। आपके जीवन के 16 वर्ष से 28 वर्ष तक का समय भाग्य आपका खूब साथ देगा। आपके भाग्य से ससुराल वालों को बहुत लाभ होगा आपको धन-संपदा प्राप्त होगी। आप गरीबों की मदद करेंगे तथा धर्म में विश्वास रखेंगे, तो आपका भला होगा। पिता की उम्र तक आपकी हालात अच्छी रहेगी। आपको लाभ तो होगा परंतु आप कर्जदारी में भी रहेंगे। सरकारी कामों से संबंधित कमाये धन में बहुत बरकत होगी। आपके जीवन में आमदनी के और भी कई रास्ते हो सकते हैं। आप दूसरों के मददगार होंगे आप अपनी आमदनी का अपव्यय भी कर सकते हैं या आप अपने धन को संभाल कर नहीं रख सकेंगे। आपकी दोस्ती से दूसरों को लाभ मिलेगा। आप अपने भाई-बंधुओं, दोस्तों के साथ अच्छा व्यवहार रखेंगे। आप अपनी किस्मत पर भरोसा नहीं करेंगे।

यदि आपने पूजा स्थान घर में रखा, चाल-चलन खराब किया, घर में या घर के पास सूखा पीपल का वृक्ष हुआ तो आपका वृहस्पति मंदा हो सकता है या किसी कारण वश वृहस्पति मंदा हो गया हो तो वृहस्पति के मंदे असर से परंतु पिता की मृत्यु के बाद कोई सहायता नहीं करेगा। आप परिवार के साथ रह कर सुखी परंतु अकेले रहने में दुःखी रहेंगे। आप की आंखों की नज़र कमजोर हो सकती है। बुढ़ापे में आपकी किस्मत ढीली हो जाएगी। परिवार कितना बड़ा हो मगर कफन पराया मिले ऐसा शक है। आप शराब-बीयर आदि न पीएं वरना आपके पास धन नहीं टिकेगा। पिता की मौत के बाद आपके भाग्य पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। आपकी मौत शान और सम्मान से होगी।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज : 1. अण्डे न खावें।
2. पूजा स्थान घर में न रखें। धर्म मंदिर में पूजा करें।

उपाय : 1. पीला रुमाल पास रखें।
2. लावारिस लाश को कफन दान दें।

शुक्र

आपकी जन्मकुंडली में शुक्र सातवें खाने में पड़ा है। इसकी वजह से यह खुलासा हो रहा है कि आपकी माता और पत्नी में मां-बेटी जैसा प्यार रहेगा। आपके घर में माया का अच्छा प्रभाव रहेगा। लक्ष्मी की बरकत कभी भी कम नहीं होगी। आपकी पच्चीस वर्ष की उम्र तक ही परेशानी रहेगी। इसके बाद समय जीवन भर सुख पूर्ण रहेगा। आपके कमाए हुए धन से स्त्री पक्ष को लाभ होगा। आप विवाह में उपयोगी चीजों का कार्य, जैसे टैंट हाउस, ब्यूटी पार्लर, रेडिमेड गारमेंट्स चलाएं तो अच्छा लाभ होगा। आपको कृषि योग्य जमीन भी मिलेगी। आपको अच्छा भवन एवं वाहन सुख मिलेगा। काली स्त्री से लाभ होगा। 37 वर्ष की आयु तक स्त्री सुख खूब मिलेगा। आपको जदी घर से दूर समुद्र की यात्रा द्वारा कमाई होगी। आपके अपने जन्म स्थान के शहर/गांव में लाभ नहीं मिलेगा। आप संसार में कहीं भी रहें मरने के समय जदी घर पर वापस आ जाएंगे।

यदि आपकी पत्नी का रंग गोरा हुआ, साले के साथ साझेदारी की, चाल-चलन खराब रखा तो आपका शुक्र मंदा हो सकता है या किसी कारण वश शुक्र मंदा हो गया हो तो शुक्र के मंदे असर से आपके काम धंधे में भाई-बंधु, यार-दोस्त आपकी संपत्ति को लूटते रहेंगे। आपके कारोबार में यही लोग रुकावट डालेंगे। ससुराल वालों को कारोबार में साथ न रखें। वैवाहिक संबंध में तथा संतानोत्पत्ति में गड़बड़ी रह सकती है। चमड़े के पर्स में रुपये-पैसे न रखें। आपकी पत्नी और आपकी माता की नहीं बनेगी या वह ग्रहचाल के कारण इकट्ठी नहीं रह पायेंगी। परस्त्री से इश्क के बुरे असर होंगे।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज : 1. सफेद गाय की पालना या सेवा न करें।
2. बिल्ली की जेर चमड़े के पर्स में न रखें।

उपाय : 1. बिल्ली की जेर कंबल के टुकड़े में रख कर अपने पास रखें।
2. कांसे का बर्तन दहेज में जरूर लें।

शनि

आपकी जन्मकुंडली में शनि नौवें खाने में पड़ा है। जिसकी वजह से आप लोगों पर परोपकार करेंगे तथा इसके अच्छे लाभ भी आपको मिलेंगे। आप बड़े परिवार के सदस्य होंगे। आप भाई एवं मित्रों से सहयोग प्राप्त कर धनवान बनेंगे। आपको चलते-फिरते कामों से अधिक लाभ मिलेगा। आपको संतान का सुख होगा। परंतु संतान के सुख प्राप्ति में विलंब हो सकता है। आपकी पत्नी धनी परिवार से होगी। आपके पास प्रचुर मात्रा में धन रहेगा। आप धन के विषय में लापरवाह रहेंगे। आप उदार प्रवृत्ति के, जागीरदार, सदा सुखी होंगे। माता-पिता का उत्तम सुख प्राप्त होगा। आप विद्वान होंगे। आप पर कभी भी कर्ज का बोझ नहीं पड़ेगा। आपका भाग्य अपने माता-पिता के भाग्य से अच्छा होगा। आपकी पत्नी भाग्यवान और अमीर खानदान की होगी। आप पैसे के प्रति बहुत मोह नहीं करेंगे। तीर्थ यात्रा करेंगे भाग्योन्नति होगी उससे अधिक शुभ फल प्राप्त होते रहेंगे। आप धार्मिक विचार वाले होंगे।

यदि आपने दूसरों के माल पर बुरी नजर रखी, जुआ आदि खेला, बुरे काम किये, लोहा/मशीनरी आदि के कार्य किये, घर में शीशम का पेड़ हो, जब आपके नाम 3 मकान बन जायें तो आपका शनि मंदा हो सकता है या किसी कारण वश शनि मंदा हो गया हो तो शनि के मंदे असर से आप ब्याज का धंधा करें तो नुकसान होगा। आपके दिल में दूसरों से बदला लेने की भावना रहती है। अग्निकाण्ड की शंका है। आपको सांस या दमे की बीमारी हो सकती है। संतान सुख में विघ्न या पुत्र-पौत्र संतान की चिंता रहेगी। मंदे कामों से बदनामी भी हो सकती है। आंखों की दृष्टि खराब हो ऐसी आशंका है। अमीरों से धन लूट कर गरीबों में बांटना, ऐसी आपकी सोच रहेगी।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :
1. दूसरों के माल पर बदनीयत न करें।
2. घर की छत पर ईंधन-चौगाठ आदि न रखें।

उपाय :
1. माथे पर केसर का तिलक करें।
2. घर के अंत में अंधेरा कमरा बनायें।

राहु

आपकी जन्मकुंडली के दूसरे खाने में राहु पड़ा है। इसकी वजह से आपको पूरी मान-प्रतिष्ठा प्राप्त होगी। आप राजशाही जीवन बिताएंगे। आप दीर्घजीवी होकर ऐश की जिंदगी बिताएंगे। युवावस्था में किसी चीज की कमी नहीं रहेगी। आपकी स्त्री रूपवान एवं सुशील होगी। आप उस्तादों के भी उस्ताद होंगे। गृहस्थी अच्छी चलेगी। आपको अधिक धन प्राप्त होगा। माता के साथ मधुर संबंध, ससुराल पक्ष का सुख अच्छा हो सकता है। चोरी से सावधान रहें। पैतृक संपत्ति नहीं के बराबर प्राप्त होगी मगर अपनी कमाई द्वारा अधिक संपत्ति बना लेंगे। परिवार के लोग सुखी रहेंगे। आपके धन कोष में बहुत वृद्धि होगी। किस्मत का असर शुभ और अशुभ दोनों हालातों में ऊपर-नीचे होता रहेगा।

यदि आपने घर में मंदिर रखा, सरसों का कार्य किया, मादक चीजों-द्रव्यों का प्रयोग किया या जुआ आदि खेला, ससुराल या साले का विरोध किया तो आपका राहु मंदा हो सकता है या किसी कारण वश राहु मंदा हो गया हो तो राहु के मंदे असर से आप उदर रोग अर्थात् आंत रोग के मरीज होंगे। धर्मस्थान में चोरी आपके हाथों हो सकती है। आपका जीवन निर्वाह धर्मस्थान से प्राप्त अन्न से होगा। आप दान की हुई वस्तु लेने में तनिक भी नहीं हिचकेंगे या मुफ्त की वस्तुएं प्राप्त होती रहेंगी। आर्थिक एवं पारिवारिक सुख में कमी आ सकती है। आपकी कमाई का कुछ भाग खराब हो सकता है। आपको पुलिस का भय रहेगा। सजा सुन कर या सजा सुनने से पहले फरार हो जायेंगे, कैदी कभी न होंगे, ऐसी आशंका है। फौजदारी मुकद्दमें में हानि होगी।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :
1. सट्टा, जुआ आदि न खेलें।
2. धर्मस्थान में रिहाईश न करें/न जायें।

उपाय :
1. चांदी की ठोस गोली गले में धारण करें।
2. केसर या हल्दी का तिलक करें या शुद्ध सोना पहनें।

केतु

आपकी जन्मकुंडली में केतु आठवें खाने में पड़ा है। इसकी वजह से पत्नी का स्वास्थ्य अगर खराब रहता हो तो चारित्रिक सुधार के पश्चात् पत्नी का स्वास्थ्य अच्छा हो जाएगा। आपके जीवन के 34 वर्ष आयु से पहले या 34 वर्ष आयु के बाद संतान पैदा होगी। आपकी कई संतानें होंगी। पुत्र से सुख मिलेगा और पुत्र को संसार में यश-मान मिलेगा। जीवन में उत्थान होगा।

यदि आपने शराब-कबाब का सेवन किया, घर की छत पर रिहाईश हो, कुत्ता पाला या घर की छत पर कुत्ता बांधा, परस्त्री से अनैतिक संबंध रखे तो आपका केतु मंदा हो सकता है या किसी कारण वश केतु मंदा हो गया हो तो केतु के मंदे असर से आपको संतान के बारे में चिंता बनी रहेगी। आप स्त्री से द्वेष करेंगे। आपका दगाबाजी का स्वभाव भी रहेगा। आप बवासीर रोग से ग्रसित रहेंगे। आप किसी भी व्यक्ति के सामने अपना दुःखड़ा रोयें तो आपकी और भी हानि होगी। संतानोत्पत्ति में अवरोध उत्पन्न हो सकता है। आपके मकान की छत गिर जाए तो अशुभ समझें। उस वक्त रोटी के भी लाले पड़ सकते हैं। संतान एवं धन के संबंध में मंदा असर लग रहा है। आपके जन्म के पूर्व बड़े भाई की मृत्यु हो गई हो ऐसा लगता है। गृहस्थ जीवन में भी दरार पड़ सकती है। वैवाहिक जीवन 26वें वर्ष तक सुखी नहीं रहेगा। 48 वर्ष तक संतान से दुःखी या निःसंतान होने की आशंका है। आपके बुरे चरित्र का बुरा प्रभाव आपकी पत्नी के जीवन पर पड़ेगा। यदि दो विवाह हुए तो संतान 34 वर्ष से पहले और 34 वर्ष के बाद भी पैदा होगी। आपकी औलाद पर बुरा असर नहीं पड़ेगा। आपको मूत्र विकार की आशंका है। आपको अपनी मृत्यु का पूर्वाभास हो जाएगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

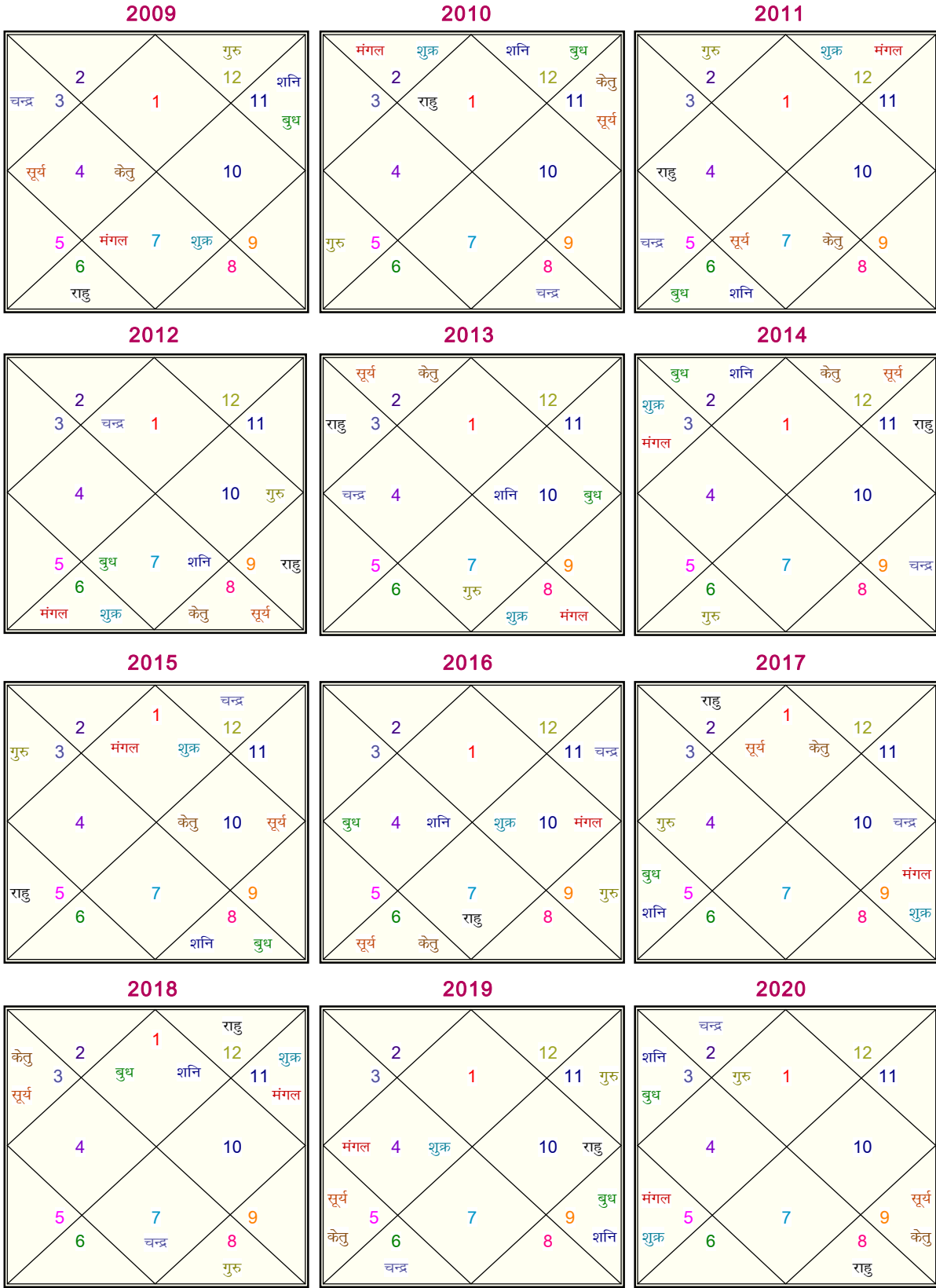
1. घर की छत पर कुत्ता न पालें।
2. जुआ आदि न खेलें।

उपाय :

1. काले-सफेद कंबल धर्मस्थान में देवें (संतान की लंबी आयु के लिये)।
2. काले-सफेद कंबल के टुकड़े में, साथ बैठे ग्रह की चीज बांध कर शमशान में दबायें (संतान सुख के लिये)।



लाल किताब - वर्ष कुंडली



लाल किताब वर्षफल 2009-10

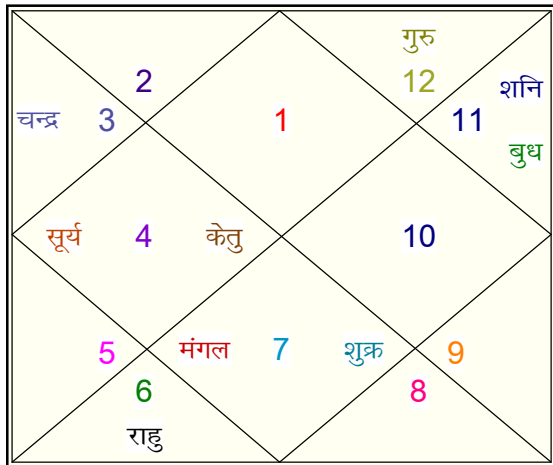
वर्तमान आयु - 25
वर्तमान दशा - चन्द्र

ग्रह	अंधा ग्रह	सोया ग्रह	धर्मी ग्रह	नेक/मन्दा ग्रह
सूर्य	---	हां	---	मन्दा
चन्द्र	---	---	---	नेक
मंगल	---	---	---	नेक
बुध	---	---	---	नेक
गुरु	---	---	---	नेक
शुक्र	---	---	---	नेक
शनि	---	---	हां	नेक
राहु-व	---	हां	---	नेक
केतु-व	---	हां	हां	मन्दा

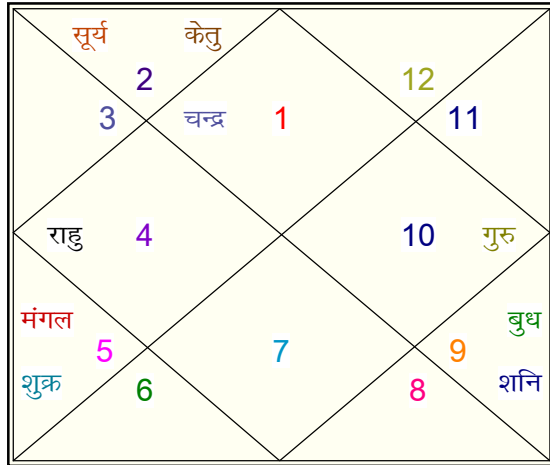
खाना स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	हां	हां	---	---	हां	---	---	हां	---	---	---	---

वर्ष कुँडली 2009-10



चन्द्र वर्ष कुँडली 2009-10



लाल किताब वर्षफल 2009-10

लाल किताब वर्ष कुंडली के अनुसार इस वर्ष सूर्य, केतु को छोड़ कर अन्य ग्रह नेक फल देने वाले हैं। कोई भी ग्रह अंधा नहीं है जो कि एक अच्छा योग है। सूर्य, राहु, केतु सोये हुए हैं। सूर्य, चन्द्र, मंगल, बुध, गुरु, शुक्र, राहु धर्मी हैं। नेक ग्रहों से शुभ फल एवं अधिक लाभ प्राप्त करने के लिए किन-किन बातों का परहेज करें तथा मंदे ग्रहों के अशुभ फल से बचने के लिए क्या-क्या उपाय किये जाने चाहिए, इसका विस्तृत वर्णन निम्न प्रकार से है।

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं० ३ शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपका चरित्र सुधरेगा और पराक्रम बढ़ेगा, चोरी से बचाव होगा। विद्या अच्छी रहेगी। ३, ६, ८, १२वां मास अधिक लाभदायक होगा, कुदरत खुद आपकी किस्मत बनाने में सहायक होगी, गरीबों से आपकी हमदर्दी रहेगी, किसी अंतर्राष्ट्रीय खेल में आपकी रुचि रहेगी या खुद भी उस खेल में हिस्सा ले सकते हैं।

चंद्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

१. बहन-भाई से झगड़ा न करें।
२. यतीमों के लिये मिला सामान हड़प न करें।

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं० ७ में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपके परिवार की तरक्की और वृद्धि होगी। रोते हुए व्यक्ति को हंसाना और उसको ढांडस देकर मदद करना अपना कर्तव्य समझेंगे, इन्साफ पसन्द, ज्योतिष विद्या में रुचि रहेगी, विष्णु भगवान की तरह संसार के पालक सिद्ध हो सकते हैं। जज, सरपंच, नेता जैसे आदि पद का अधिकार भी मिल सकता है।

मंगल की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

१. चाल-चलन ठीक रखें और अनैतिक सम्बन्ध न रखें।
२. घर में बेलदार पौधे या बेलें न लगावें।

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं० ११ में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष हर बुधवार का दिन और दोपहर (३ से ५ बजे) का समय शुभ रहेगा। आपका भाग्योदय होगा या तरक्की होगी, आलस्य से दूर रहें। आप अपनी बुद्धि के द्वारा अधिक लाभ अर्जित करेंगे। आपकी मान-सम्मान और प्रतिष्ठा बढ़ेगी। पैतृक सम्पत्ति का लाभ मिलेगा। आपकी मित्रता से सबको लाभ मिलेगा।

बुध की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

१. मनी प्लांट, रबर प्लांट आदि चौड़े पत्तों के पेड़-पौधे घर पर न लगावें।
२. पीतल के खाली बर्तन बन्द या उल्टे न रखें।

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं० १२ में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपको धन से अधिक लगाव नहीं होगा। ध्यान-समाधि लगाने से धन की वर्षा होगी। आपका आशीर्वाद लेने वाला तर जाएगा और आपको सताने वाल बर्बाद हो जाएगा। खर्च अधिक जो परिवार के शुभ कामों पर होगा। त्याग की भावना भी आपके मन में रहेगी। आपको किसी का दुर्वचन नहीं लगेगा।

गुरु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

१. ऐसे काम न करें जिससे आपका विरोध हो।
२. किसी से धोखा-फरेब न करें।

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं० ७ में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष मकान-वाहन का सुख मिलेगा। काले रंग की स्त्री का साथ, आपका भाग्य को जगाने और आपकी तरक्की में सहायक हो सकती है। विवाह से संबंधित चीजों के कारोबार से लाभ मिले। जदद्दी घर से दूर जाना पड़ सकता है। पत्नी-माता में मां-बेटी जैसा संबंध रहेगा। पत्नी सुशीला और सेवा करेगी।

शुक्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

१. सफेद गाय की पालना या सेवा न करें।
२. बिल्ली की जेर चमड़े के पर्स में न रखें।

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं० ११ में शुभ है जिसकी वजह से आप इस वर्ष धर्म पर अड़िग और पक्के रहेंगे। धर्म पर कायम रहेंगे तो मिट्टी के काम से सोना बनेगा। प्राण जाय पर वचन न जायें वाली कहावत आप पर चरितार्थ होगी। लोहा, कोयला, रबड़ आदि के कामों से लाभ हो सकता है। व्यसनों से दूर रहेंगे तो बहुत लाभ होगा। इन्साफ पसंद वृत्ति रहेगी।

शनि की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :



1. किराये के मकान में रिहाइश न करें।
2. ठगी-धोखे से धन न कमाएं।

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं० ६ में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपके शत्रु दबे रहेंगे, किसी व्यक्ति को आप दंड या सजा मुक्त करवा सकते हैं। आपमें अहंकार की भावना भी आ सकती है। ऐशो आराम की सभी चीज़ें आपको प्राप्त होंगी, कर्ज हो तो कमी होगी अर्थात् धन की कारोबार में वृद्धि होगी, किसी संस्था या सरकारी विभाग में उच्च पद मिलेगा।

राहु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. चोरी न करें। चोरी का माल न लें।
2. भाई से झगड़ा न करें।

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं० ४ में है तो जिसकी वजह से आपको इस वर्ष माता और सुख की हानि होगी, माता से दूर रहे तो विद्या से लाभ होगा। मन अशांत रह सकता है और स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल असर पड़ सकता है। कई प्रकार की कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। कुछ लोग आपके काम बिगाड़ सकते हैं सतर्क रहें। पैतृक कार्य बदलने का विचार रहेगा। माता से झगड़ा रहेगा।

सूर्य की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. अन्धे व्यक्ति को भोजन खिलाएं।
2. शरीर पर शुद्ध सोना कायम करें।

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं० ४ में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष रीड़ की हड्डी या जोड़ों का दर्द, शुगर/पेशाब का रोग हो सकता है। माता की चिंता हो सकती है या माता को कष्ट हो सकता है। हृदय रोग के प्रति आलस्य न बरतें। पुत्र संतान के सुख की चिंता रहेगी। कुल पुरोहित से संबंध ठीक रखे तो पुत्र चिंता दूर होगी। कुत्ते के काटने का भय रहेगा। यात्रा में रूकावट आयेगी या यात्रा में हानि हो सकती है।

केतु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. चने की दाल और केसर धर्म स्थान में दें।

२. कुल पुरोहित को धन वस्त्र आदि देकर आशीर्वाद प्राप्त करें। अगर कुल पुरोहित न हो तो ४ किलो चने की दाल महीने दो महीने में धर्म स्थान में दें।

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

शरीर पर शुद्ध सोना धारण करें।

(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से ४० दिन के भीतर करें/शुरू करें।)

Provided By:

www.horoscopetimes.com

info@horoscopetimes.com

Page: 23



लाल किताब वर्षफल 2010-11

वर्तमान आयु - 26

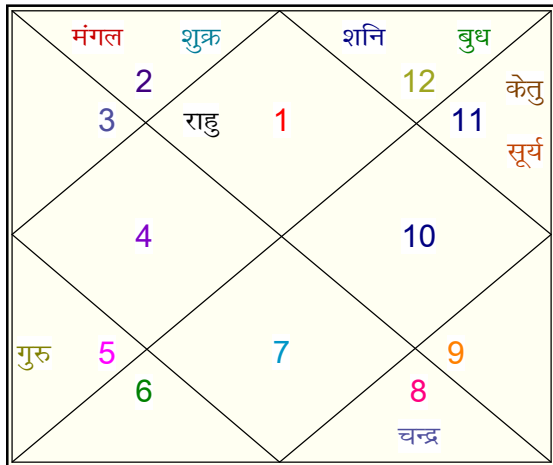
वर्तमान दशा - शुक्र

ग्रह	अंधा ग्रह	सोया ग्रह	धर्मी ग्रह	नेक/मन्दा ग्रह
सूर्य	---	---	---	मन्दा
चन्द्र	---	---	---	मन्दा
मंगल	---	हां	---	नेक
बुध	---	---	---	मन्दा
गुरु	---	हां	---	नेक
शुक्र	---	हां	---	नेक
शनि	---	---	---	नेक
राहु-व	---	हां	---	नेक
केतु-व	---	---	---	नेक

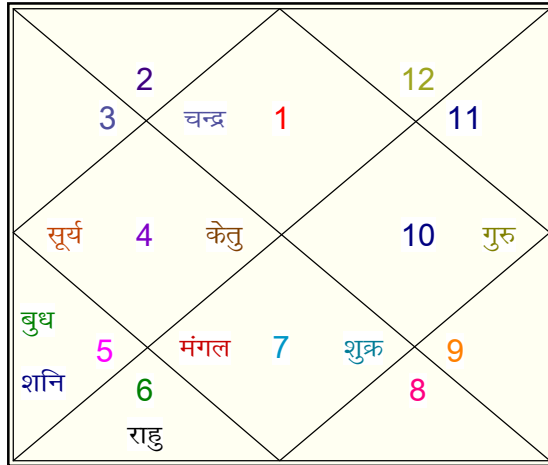
खाना स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	---	---	हां	हां	---	---	---	---	---	हां	---	---

वर्ष कुँडली 2010-11



चन्द्र वर्ष कुँडली 2010-11



लाल किताब वर्षफल 2010-11

लाल किताब वर्ष कुंडली के अनुसार इस वर्ष सूर्य, चन्द्र, बुध को छोड़ कर अन्य ग्रह नेक फल देने वाले हैं। कोई भी ग्रह अंधा नहीं है जो कि एक अच्छा योग है। मंगल, गुरु, शुक्र, राहु सोये हुए हैं। नेक ग्रहों से शुभ फल एवं अधिक लाभ प्राप्त करने के लिए किन-किन बातों का परहेज करें तथा मंदे ग्रहों के अशुभ फल से बचने के लिए क्या-क्या उपाय किये जाने चाहिए, इसका विस्तृत वर्णन निम्न प्रकार से है।

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं० २ में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष आपके परिवार में अन्न-धन की कोई कमी नहीं रहेगी। आप भाई-बंधुओं के दुःख में हर समय साथ देंगे, आप नेक और इरादे के पक्के रहेंगे जो बात ठान ली वह पूरी कर दिखायेंगे। अगर बड़ा भाई जीवित हो तो उससे अधिक धन, मान आपको मिलेगा। परिवार के लोगों से भी लाभ मिलेगा।

मंगल की शुभता हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

१. लड़ाई-झगड़ों से दूर रहें।
२. घर आये मेहमानों की सेवा में कमी न करें।

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं० ५ में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष तरक्की हो या मान-सम्मान मिलेगा। इस वर्ष अगर आपके परिवार में लड़का पैदा होता है तो परिवार की अथाह तरक्की होना शुरू हो जाएगी। पिता-दादा की मदद शक्की हो सकती है। वर्ष शुरू होते ही आपकी तरक्की होगी। वंश वृद्धि/संतान सुख प्राप्त होगा। लेखन द्वारा लाभ मिलेगा।

गुरु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

१. नाव के कामों से सम्बन्ध न रखें।
२. नास्तिक न बनें।

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं० २ में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष अधिक परिश्रम करना पड़ सकता है। जिससे दिन दुगनी रात चौगुनी तरक्की होगी। ईश्वर पर भरोसा रहेगा जिससे आपके सभी काम पूर्ण होंगे। साधू वेश में आशिकाना ख्याल रहेंगे। चरित्र सुधार कर रखेंगे। प्रेम संबंधों में धोखा हो सकता है इसलिये प्रेम संबंध के चक्कर से बचें।

शुक्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. पशुओं पर जुल्म न करें।
2. शेर मुंह मकान में रिहाइश न करें।

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं० १२ में शुभ है जिसकी वजह से आपका इस वर्ष धन व्यय अधिक होगा और वह भी परिवार के शुभ कामों पर, सरकारी विभाग और मुकदमों में जीत होगी। आपको रात्रि का पूरा आराम मिलेगा। साधना या अध्यात्म में आपकी रुचि रहेगी तो वह आपको हानिकारक हो सकती है। शराब पीना, मांस-मछली खाना आपके लिये हानिकारक है।

शनि की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. चाल-चलन ठीक रखें और अनैतिक संबंध न रखें।
2. दूसरों के माल पर नजर न रखें।

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं० १ में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष सरकार या सरकारी विभाग द्वारा लाभ, ननिहाल के लिये समय ठीक, नया कारोबार भी शुरू हो सकता है। आप में कुछ रिश्वत लेना या करप्शन सोच आपके दिलो-दिमाग में आ सकती है। आपको हर समय बोलते रहने की आदत या बीमारी भी हो सकती है, इसका ध्यान रखें।

राहु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. आंगन में धुआं न करें।
2. पेट मोटा न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं० ११ में शुभ है जिसकी वजह से आप इस वर्ष कभी हिम्मत नहीं हारेगें। भाग्य आपका साथ देगा। धन-दौलत का अधिक लाभ होगा। आपको पुत्र संतान का सुख मिलेगा तो माता/सास को शारीरिक कष्ट हो सकता है खासकर आंखों में। चाल-चलन ठीक रखें वरना शारीरिक कमजोरी हो सकती है। आने वाले समय की अधिक सोच रहेगी।

केतु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. शुभ काम पर जाते समय कोई पीछे से आवाज दे तो काम पर न जायें क्योंकि आगे



काम नहीं बनेगा।

२. व्यतीत समय की बातें करके को याद कर लोगों को न सुनायें।

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं० ११ में है जिसकी वजह से आप इस वर्ष सुस्ती और लापरवाही से जीवन में तरक्की के कई अवसर खो सकते हैं। मांस-शराब के इस्तेमाल करना संतान को कष्ट होगा या संतान सुख की चिंता रहेगी। दूसरे लोगों को गाली देना, झूठी गवाही देना, लड़ाई-झगड़ा करना आपके लिये ठीक नहीं है इन बातों से बचें। सरकारी विभाग द्वारा दंड/जुर्माना का भय रहेगा।

सूर्य की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

१. झूठ न बोलें, जूटा भोजन न खावें और न खिलावें।
२. मांस-मछली न खावें और शराब आदि न पिये मादक चीजों का सेवन न करें।

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं० ८ में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष माता-पिता का सुख कम मिलेगा। जौहरी-जुएं के कामों में हानि होगी। ननिहाल को कष्ट या उनसे झगड़ा होगा। मन की शक्ति क्षीण, विद्या में रुकावट या माता का सुख मिले, घर से दूर भी रहना पड़ सकता है। सर्दी-जुकाम और पानी से कष्ट का भय, हृदय रोग का भय रहेगा। बुजुर्गों को सांस-दमा रोग की आशंका है।

चंद्र की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

१. मीठा भोजन या केसर-दाल चना या गुड़-गंदम धर्म स्थान में दें।
२. अमावस्या के दिन दूध-चावल धर्म स्थान में दें।
३. स्वर्गवासी बुजुर्गों के नाम पर श्राद्ध करें।

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं० १२ में है जिसकी वजह से इस वर्ष मादक द्रव्यों या चीजों का प्रयोग आपको बदजुबान बना सकता है जो आपके लिये हानिकारक होगा, ख्याली कारोबार (सोच-विचार कर करने वाले काम) या सट्टा/जुआं, लाटरी, शेयर आदि आपके लिये अनुकूल नहीं है। भ्रम या अज्ञानता के कारण आपका नुकसान हो सकता है।

बुध की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।



उपाय :

1. स्टील की बेजोड़ अंगूठी बांये हाथ की कनिष्ठिका या मध्यमा अंगुली में पहनें।
2. खाली घड़ा ढक्कन लगाकर जल प्रवाह करें।

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

८ दिन नाश्ते में पनीर खावे या पनीर का बचा शेष पानी पिये।
(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से ४० दिन के भीतर करें/शुरू करें।)

लाल किताब के उपाय कब और कैसे करें ?

1. उपाय सूर्य निकलने के बाद सूर्य छिपने तक दिन के समय करें, रात के समय उपाय करना कई बार अशुभ फल दे सकता है। केवल चन्द्र ग्रहण का उपाय रात को किया जा सकता है ।
2. उपाय शुरू करने के लिए किसी खास दिन सोमवार या मंगलवार आदि, सक्रांति, अमावस्या या पूर्णिमा आदि का कोई विचार नहीं होगा।
3. आप का कोई खून का संबंधी रिश्तेदार जैसे भाई-बहन, माता-पिता, दादा-दादी, पुत्र-पुत्री आदि में से उपाय कर सकता है जो फलदाई होगा।
4. एक दिन में केवल एक ही उपाय करें, एक दिन में दो उपाय करने से शुभ फल नहीं मिलता या किया हुआ उपाय निष्फल हो सकता है।
5. जो परहेज बताए जाये जैसे मांस-मछली न खावें, मदिरा का सेवन न करें, चाल-चलन ठीक रखें, झूठ न बोलें, जुठन न खावें न खिलावें, नियत में खोट न रखें, परस्त्री-परपुरुष से संबंध न करें, आदि का विशेष ध्यान रखें।
6. जो उपाय जिस समय के लिये लिखा है उसी समय तक करें, आगे यह उपाय बंद कर दें।
7. यदि किसी कारण उपाय बीच में बंद करना पड़ जाय तो जिस दिन उपाय बन्द करना है उससे एक दिन पहले थोड़े से चावल दूध से धोकर सफेद कपड़े में बांध कर पास रख लें और जब दुवारा उपाय शुरू करना हो वह चावल धर्म स्थान में या चलते पानी में या किसी बाग-बगीचे आदि में गिरा कर उपाय फिर शुरू कर दें। ऐसा करने से उपाय अधूरा नहीं माना जाएगा और पूरा फल मिलेगा।
8. हर उपाय 43 दिन या 43 सप्ताह या 43 मास या 43 वर्ष तक करना होता है, उपाय चलते समय बीच में टूट जाए चाहे 39वां दिन क्यों न हो सब निष्फल हो सकता है या शुभ फल में कमी रह सकती है।
9. जन्म कुण्डली में अशुभ ग्रहों का वर्षफल कुण्डली में उपाय अपने जन्मदिन से लेकर 40-43 दिन के भीतर ही करें।
10. घर में कोई सूतक (बच्चा जन्म हो) या पातक (कोई मर जाय) हो जाय तो 40 दिन उपाय नहीं करने चाहिये।
11. बुजुर्गों के रीति-रिवाजों को न तोड़ें और संस्कार पूरे करें।